केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 208 गुरूवार 19 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

यूपी–बोर्ड परीक्षा में 47 छात्रों ने छोड़ा हिंदी का पेपर

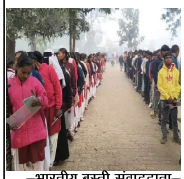

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश बोर्ड की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो गईं। बस्ती जिले के भानपुर तहसील क्षेत्र में पहले दिन हिंदी की परीक्षा में कुल 47 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी और सीसीटीवी कैमरों की देखरेख में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

भानपुर तहसील के मेहीलाल आदर्श इंटर कॉलेज असनहरा में कुल 244 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी। इनमें 79 लड़के और 165 लड़कियां शामिल थीं। सुबह तलाशी के बाद छात्रों को गेट से अंदर प्रवेश दिया गया। इस केंद्र पर 9 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी, जिनमें 5 लड़के और 4 लड़कियां थीं।

वहीं, संत कबीर शंकर दास इंटर कॉलेज मोहम्मद नगर में 452 परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। इस केंद्र पर 38 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित रहने वालों में 6 लड़कियां और 32 लड़के शामिल थे। सुबह की पाली में हिंदी की परीक्षा 8.30 बजे से 11.30 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद था।

पत्रकार को पितृ शोक प्रेस क्लब ने दिया श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पत्रकार आलोक त्रिपाठी एवं अजीत त्रिपाठी के पिता रुद्रनाथ त्रिपाठी का निधन 75 वर्ष की उम्र में मंगलवार प्रातः हो गया था। वह अवकाश प्राप्त जेल अधिकारी थे जो जिला कारागार देवरिया से वर्ष 2012 में रिटायर हो गए थे। उन्होंने मंडलीय कारागार गोरखपुर में 18 वर्ष सेवाएं दी थी साथ ही लखनऊ, फैजाबाद, गोंडा, वाराणसी जिलों में अपनी सेवाएं प्रदान किया था। वह पशुप्रेमी थे उन्होंने पर्यावरण संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रुद्रनाथ त्रिपाठी को कई बार कारागार विभाग द्वारा अप्रतिम सेवाओं के लिए प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत किया गया था।

बुधवार को प्रेस क्लब सभागार में आत्मा की शांति हेतु उपस्थित पत्रकारों ने प्रार्थना किया। संरक्षक प्रकाश चन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय, महामंत्री महेन्द्र तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार पुनीत ओझा, राघवेन्द्र मिश्रा, विपिन त्रिपाठी ने कहा कि रूद्रनाथ त्रिपाठी के निधन से समाज को गहरा आघात पहुंचा है जिसकी क्षतिपूर्ति कभी नहीं की जा सकती है।

शोक व्यक्त करने वालों में प्रवीण कुमार पाण्डेय, लवकुश सिंह, सुदृष्टि नारायण त्रिपाठी, अनिल कुमार श्रीवास्तव, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव बिन्नू, जीशान हैदर रिजवी, अनुराग श्रीवास्तव, हरिओम लल्ला, राकेश तिवारी, कौशल ओझा, सर्वेश श्रीवास्तव, बशिष्ठ पाण्डेय, राजेन्द्र उपाध्याय, आनन्द कुमार गुप्ता, अभिनव दूबे, महेन्द्र सिंह बसंत लाल सहित तमाम पत्रकारगण उपस्थित रहे।

विवादों की भेंट चढा एआई समिट गलगोटिया यूनिवर्सिटी बाहर

नई दिल्ली (आभा)। गलगोटिया यूनिवर्सिटी की एक प्रोफेसर ने सॉकर ड्रोन को लेकर दावा किया कि यूनिवर्सिटी ने उसे शुरुआत से बनाया है। कम्युनिकेशन प्रोफेसर नेहा सिंह, जो रोबोडॉग्स विवाद में भी शामिल थीं, का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसके बाद वह निशाने पर आ गईं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवादों में आ गई। चीनी रोबोट को अपना बताकर पेश करने से हुई किरकिरी के बाद एक और प्रोडक्ट पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। इस बार विवाद की जड़ ड्रोन सॉकर है, जिसे गलगोटिया ने अपना बता दिया, जबकि वह मेड इन साउथ कोरिया जैसा निकला। इससे पहले, यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ने चीन में निर्मित रोबोडॉग को अपना बताकर पेश किया था, जिससे काफी फजीहत हुई। चीनी मीडिया में भी इसको लेकर यूनिवर्सिटी को काफी ट्रोल किया गया। आनन–फानन में सरकार ने यूनिवर्सिटी को समिट का पवेलियन खाली करने का निर्देश दे दिया।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी की एक प्रोफेसर ने सॉकर ड्रोन को लेकर दावा किया कि यूनिवर्सिटी ने उसे शुरुआत से बनाया है। कम्युनिकेशन प्रोफेसर नेहा सिंह, जो रोबोडॉग्स विवाद में भी शामिल थीं, का एक वीडियो वायरल हो गया है। इसमें वह डीडी न्यूज के रिपोर्टर को सॉकर ड्रोन के बारे में बता रही हैं। वह बताती हैं कि यह बहुत इंट्रेस्टिंग सी चीज है, जिसका एंड–टू–एंड इंजीनियरिंग से लेकर इसका ऐप्लीकेशन सबकुछ यूनिवर्सिटी में हुआ है।रोबोट विवाद के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी को एआई समिट में अपना पवेलियन खाली करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद वहां की लाइट भी काट दी गई, जिससे यूनिवर्सिटी को काफी जलील होना पड़ा। प्रोफेसर और स्टाफ को वहां से हटा दिया गया और जगह उनसे खाली करवा ली गई।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने किया सीसी रोड–नाली निर्माण का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पालिका क्षेत्र के मोहल्ला पिकौरा शिवगुलाम में चल रहे सीसी रोड और नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण भाजपा नेता व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने किया। इस दौरान उनके साथ सभासद प्रतिनिधि महेंद्र सोनकर, जेई (सिविल) और स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों और समयबद्ध प्रगति की गहन समीक्षा की गई। अंकुर वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य में पारदर्शिता और मजबूती का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने तय समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वर्मा ने क्षेत्रवासियों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि बेहतर सड़कें और सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करना नगर पालिका की प्राथमिकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि जनहित और विकास कार्यों में कोई समझौता नहीं होगा तथा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। स्थानीय नागरिकों ने निरीक्षण पर संतोष व्यक्त किया और गुणवत्तापूर्ण कार्य की अपेक्षा जताई।

कांग्रेस के पूर्व विधायक राम जियावन सपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व विधायक रामजियावन ने कांग्रेस छोड़ दिया। वे 42 वर्षों से कांग्रेस पार्टी मे सक्रिय रहे। 1985 मे महादेवा सुरक्षित सीट विधायक चुने गये। इसके बाद कभी पीछे मुडकर नही देखा। कांग्रेस पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं में रामजियावन का नाम पहली पंक्ति मे आता है। उनका कहना है कि उन्हे दोबारा टिकट नही दिया गया वरना महादेवा सीट से कई बार चुनाव जीतकर प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला होता।

आरोप है कि कई लोग पार्टी नेतृत्व से मिलकर उनका टिकट कटवाते रहे। रामजियावन ने महाशिवरात्रि के दिन नसीमुद्दीन सिद्धीकी के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। पूर्व विधायक का कहना है कि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने संगठन की हवा निकाल दी है।

कान के कच्चे नेताओं ने बार बार निष्ठावान कार्यकर्ताओं को हाशिये पर किया। जब तक पार्टी मे जमीन से जुड़े निष्ठावान कार्यकर्ताओं की कद्र नही होगी पार्टी किसी कीमत पर पुरानी स्थिति में लौटेगी। रामजियावन ने बताया कि नसीमुद्दीन की अगुवाई मे हजारों लोगों ने सपा ज्वाइन किया है। बता दें कई और नेताओं के कांग्रेस छोड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

महिला कॉन्स्टेबल बोली–इंस्पेक्टर कहते हैं जीजा कहो

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला कॉन्स्टेबल ने एसओ पर अश्लील बातें करने और छुट्ध्टी मांगने पर मारने के लिए दौड़ाने का आरोप लगाया। उसने कहा– मैं बीमार मां को दिखाने के लिए 1 दिन की छुट्टी मांगने गई थी। जहां उन्होंने मेरे साथ अभद्रता की। वो मुझपर पहले से गंदी नजर रखते हैं। कहते हैं– मुझे जीजा कहा करो। मुझसे मेरे पर्सनल नंबर पर बात किया करो। मैंने कहा कि मैं वैसी महिला नहीं हूं। इसी बात पर वो नाराज हो गए।

कॉन्स्टेबल रोते हुए मामले की शिकायत डीआईजी से करने पहुंचीं। कहने लगी– छुट्टी नहीं मिली तो मैं ड्यूटी पर गई, लेकिन कोतवाल ने मेरी अपसेंट लगा दी। वो मुझे परेशान कर रहा है। डीआईजी ने जांच का आश्वासन दिया है। महिला का नाम मेनका चौहान है। वो सदर कोतवाली में तैनात है। सदर कोतवाली में तैनात कॉन्स्टेबल मेनका चौहान डीआईजी ऑफिस पहुंचते ही रोने लगी।

2019 बैच की कॉन्स्टेबल मेनका चौहान गोरखपुर के बड़हलगंज की रहने वाली हैं। वो इस समय बस्ती की सदर कोतवाली में तैनात हैं।

मेनका के पति भी कॉन्स्टेबल हैं। उनकी तैनाती पुरानी बस्ती थाने में है। परिवार में मां के अलावा दो बेटियां हैं। मेनका बुधवार को 5 साल की बेटी के साथ डीआईजी बस्ती रेंज संजीव त्यागी के ऑफिस पहुंची थीं। वह गेट के पास ही फफक कर रोने लगीं। कहने लगीं– इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र चौधरी से छुट्टी मांगी तो उन्होंने छुट्ध्टी नहीं दी। जब मैंने दोबारा निवेदन किया तो गालियां देने लगे। मुझे मारने के लिए दौड़ा लिया। महिला सिपाही का कहना है कि एसओ ने दौड़ाया तो वह जान बचाकर वहां से भागी। मामले में एसपी की ओर से दो सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है, जिसमें वें और सीओ हरैया स्वर्णिम सिंह शामिल हैं। जांच के बाद रिपोर्ट दी जाएगी। उसके अनुसार कोतवाल पर एक्शन होगा।

मनोरमा की बदहाली पर भड़के सुदामा, बोले, स्वच्छता तक नहीं रुकेगा आन्दोलन: सौंपा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पतित पावनी मनोरमा नदी की बदहाल स्थिति और प्रशासनिक उदासीनता के विरुद्ध आज सैकड़ों समर्थकों के साथ वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामाजी' ने जिलाधिकारी बस्ती को अनुस्मारक पत्र सौंपा। इस दौरान समर्थकों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने एक स्वर में नदियों की तत्काल सफाई और स्थायी समाधान की मांग उठाई।

सुदामा ने कहा कि 5 फरवरी 2026 को दिए गए ज्ञापन के बावजूद मनोरमा, रामरेखा एवं कुवानो नदियों की सफाई को लेकर अब तक कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बनी है और न ही किसी नोडल अधिकारी की नियुक्ति हुई है। यह जनपद की सांस्कृतिक पहचान और भावी पीढ़ियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। नदियाँ दूषित होंगी तो समाज बीमार होगा और नदियाँ स्वच्छ होंगी तो समाज स्वस्थ व सशक्त बनेगा।

उन्होंने बताया कि मनोरमा, रामरेखा एवं कुवानो नदियों में नगर निकायों का गंदा जल और औद्योगिक अपशिष्ट धड़ल्ले से गिराया जा रहा है। नदी तटों पर अतिक्रमण, कूड़ा–करकट व मृत पशुओं का निस्तारण आम बात हो गई है, जिससे ये पवित्र नदियाँ नालों का रूप लेती जा रही हैं। इससे भू–जल पुनर्भरण भी प्रभावित हो रहा है और हर–घर नल योजना की जलापूर्ति पर भी संकट गहराता जा रहा है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि एक सप्ताह के भीतर नोडल अधिकारी नामित कर प्रशासन, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और मीडिया की संयुक्त बैठक बुलाई जाए। साथ ही एक माह के भीतर यांत्रिक व मानवीय संसाधनों से मनोरमा नदी की व्यापक सफाई कराई जाए, अवैध अतिक्रमण हटाया जाए, नगर निकायों के गंदे पानी के ट्रीटमेंट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कूड़ा निस्तारण की स्थायी प्रणाली विकसित की जाए।

सुदामा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्यवाही शुरू नहीं हुई तो 05 मार्च 2026 से मनोरमा नदी की स्वच्छता सुनिश्चित कराने हेतु बेमियादी धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मनोरमा, रामरेखा और कुवानो केवल नदियाँ नहीं, बल्कि जनपद की सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक पहचान हैं। इनके तट पर स्थित मखौड़ा धाम व पंडूलघाट जैसे स्थलों के पुनरुत्थान से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक, समाजसेवी, युवाजन और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे और सभी ने नदियों को स्वच्छ रखने के लिए जनआंदोलन छेड़ने का संकल्प लिया।

पर्यटन मंत्री ने किया गोनार मंदिर के विकास की घोषणा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को कुदरहा विकासखंड के गोनार ग्राम पंचायत स्थित गढ़वा समय माता मंदिर परिसर में नवनिर्मित यात्री विश्रामालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर के समग्र विकास की घोषणा की। मंत्री सिंह ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में मंदिर परिसर में सड़क, बिजली, पानी, बाउंड्री और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने मंदिर के चहुंमुखी विकास का संकल्प दोहराया।

पत्रकारों द्वारा संघ प्रमुख मोहन भागवत के घटती हिंदू जनसंख्या पर दिए गए बयान के संबंध में पूछे जाने पर मंत्री जयवीर सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "वह हिंदुत्व से जुड़े एक सामाजिक संगठन के प्रमुख हैं, उन्होंने अपनी राय और अभिव्यक्ति दी है।"कार्यक्रम में कानपुर के अकबरपुर से सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने बताया कि उनकी माता स्व. कनकरानी का ननिहाल गोनार में था और समय माता का आशीर्वाद उनके परिवार पर हमेशा रहा है। डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल ने देवेंद्र सिंह भोले की अपने माता–पिता के प्रति श्रद्धा की सराहना की।

इस अवसर पर रामायणम फाउंडेशन के संस्थापक कथावाचक शांतनु जी महाराज, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह, पूर्व आईएएस सभाराज सिंह, ओएन सिंह, ब्लॉक प्रमुख कुदरहा अनिल दुबे, सुमन सिंह, आसमान सिंह, मोनू शुक्ला, राघवेंद्र पांडेय, सूर्यनारायण यादव, रंजय पाल, गिरजेश चौधरी, राम संवारे यादव, सुनील पाल, अरविंद पाल, अजय पाल, राम निहोर यादव, गया प्रसाद, राजेंद्र पाल, ओम प्रकाश पाल, हरी प्रताप पाल, रमेश पाल, राजेश पाल, अमरनाथ यादव, अंकित, रोहित, विपेंद्र सिंह, जुगानी, बाल मुकुंद, रामतेज, डीके पाल, रविंद्र यादव, सुरेंद्र पाल, इंद्रजीत पाल, पिंकू पाल, गिरिश पाल, सुनील उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

विधायक अजय सिंह ने सदन में उठाया मनोरमा, कुआनों नदी के पुनर्जीवन का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बजट सत्र के दौरान विधानसभा में बुधवार को हर्रैया विधायक अजय सिंह ने मनोरमा और कुआनों नदी के साथ ही क्षेत्र के विभिन्न तालाबों एवं झीलों में निरंतर घटते जलस्तर, बढ़ते प्रदूषण, गंदगी और हो रहे अतिक्रमण का गंभीर विषय सदन में मजबूती से उठाया। विधायक विगत कई वर्षों से मनोरमा नदी के पुनर्जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। इसी क्रम में उन्होंने सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए इन नदियों और जलाशयों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए

ठोस एवं प्रभावी कार्ययोजना बनाए जाने की मांग किया। इस संबंध में उन्होंने पूर्व में सतीश महाना से आग्रह किया था बुधवार को पुनः इस महत्वपूर्ण विषय पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की मांग दोहराई। विधायक ने कहा कि नदियाँ और जल स्रोत केवल पर्यावरणीय धरोहर ही नहीं बल्कि जनजीवन, कृषि और भविष्य की आधारशिला हैं। इनका संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित विभागों से जलस्तर बढ़ाने, प्रदूषण नियंत्रण, अवैध अतिक्रमण हटाने एवं तालाबों–झीलों के पुनर्जीवन हेतु व्यापक अभियान चलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता के हितों एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए उनका यह संकल्प निरंतर जारी रहेगा।

एआरपी एसोसिएशन का निर्वाचन सम्पन्न रविशंकर मिश्र अध्यक्ष, बब्बन पाण्डेय मंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एआरपी एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का जनपदीय निर्वाचन प्रेस क्लब सभागार में बुधवार को सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी एआरपी एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र बहादुर सिंह और चुनाव पर्यवेक्षक बस्ती मण्डल के संयोजक मारुति नन्दन श्रीवास्तव की देखरेख में जनपदीय कार्यसमिति का निर्वाचन संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से रविशंकर मिश्र जिलाध्यक्ष, विजय कुमार राव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बबल प्रसाद पाण्डेय मंत्री, राहुल उपाध्याय संयुक्त मंत्री, शिव प्रसाद चौधरी कोषाध्यक्ष, उमा शंकर पाण्डेय, ओमकार नाथ उपाध्याय, गरिमा त्रिपाठी और अभिनव मिश्र उपाध्यक्ष, राजीव शुक्ल, कल्पना तिवारी, अमित मिश्र, दिलीप उपाध्याय और मनोज उपाध्याय संगठन मंत्री तथा अंकित सिंह मीडिया प्रभारी चुने गए। नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ

दिलाते हुए चुनाव अधिकारी और पर्यवेक्षक ने कहा कि आप सभी को पूरे जिले के एआरपी ने जो जिम्मेदारी दिया है उसका निष्ठा से निर्वहन करते हुए कार्य करें। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने जो भरोसा किया है पूरा प्रयास होगा कि हम सभी आप सबके विश्वास पर खरा उतरें।

इस अवसर पर सन्तोष शुक्ल, प्रदीप कुमार गुप्ता, आशीष दूबे, अखिलेश कुमार, उमा शंकर पाण्डेय, अनिल कुमार यादव, अवधनारायण चौधरी, अखंड सिंह, आनंद कुमार पांडेय, अनुराग श्रीवास्तव, बृजेश कुमार चौधरी, विवेक उपाध्याय, अरविंद कुमार, सारिक सिद्दीकी, अभिषेक शुक्ल, अश्वनी कुमार वर्मा, जितेंद्र कुमार चौधरी, कुमार अभिनव मिश्रा, संतोष कुमार शुक्ल, ओम प्रकाश चौधरी, सर्वेंद्र नाथ पाण्डेय, अमित कुमार मिश्र, मनोज कुमार मिश्र, कुलदीप कुमार त्रिपाठी, गिरिजा बक्श सिंह, मनोज उपाध्याय, शैलेश मिश्र, अंकित सिंह, अभिनय दुबे, श्याम जी आदि उपस्थित रहे।

परिवहन कर प्रणाली में व्यापक सुधार, एकमुश्त कर योजना लागू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । परिवहन आयुक्त के दिशा निर्देश के अनुसार 13 फरवरी से भाड़े या पारिश्रमिक पर संचालित दोपहिया मोटर साइकिल, तिपहिया मोटर कैब एवं मैक्सी कैब, संनिर्माण उपस्कर यान/विशेष प्रयोजन यान, माल वाहन, राज्य परिवहन उपक्रम के स्वामित्वाधीन सार्वजनिक सेवायान आदि के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम,में संशोधन कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुये संभागीय परिवहन अधिकारी फरीदउद्दीन ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा परिवहन कर प्रणाली में व्यापक सुधार की एकमुश्त कर लागू किया गया है।

उन्होने बताया कि यह व्यवस्था तकनीकी रूप में वाहन पोर्टल पर लाइव हो गयी है। इस व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य वाहन स्वामियों को बार–बार भुगतान की जटिल एवं समय–साध्य प्रक्रिया से राहत प्रदान करना, कर प्रशासन को सरल बनाना, अधिकाधिक गैर–परिवहन यानों को परिवहन यानों में परिवर्तित करना तथा राजस्व संग्रह की प्रक्रिया को

अधिक सुदृढ़ करना है। परिवहन यानों पर एक बारीय कर(वन टाइम)की दरे निर्धारित की गयी है।

संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि भाड़े या पारिश्रमिक पर संचालित दो पहिया मोटर साइकिल यान के मूल्य का 12.5 प्रतिशत , तिपहिया मोटर कैब यान के मूल्य का 7 प्रतिशत, 10 लाख तक के मोटर कैब (तिपहिया मोटर कैब को छोड़कर) और मैक्सी कैब यान के मूल्य का 10.5 प्रतिशत, 10 लाख से अधिक के मोटर कैब (तिपहिया मोटर कैब को छोड़कर) और मैक्सी कैब यान के मूल्य का 12.5 प्रतिशत, संनिर्माण उपस्कर या विशेष प्रयोजन यान यथा जे0सी0बी0, बुलडोजर्स आदियान के मूल्य का 6 प्रतिशत, माल वाहन 3000 किलोग्राम से अनधिक सकल यान भार के वाहन (पिकप आदि), यान के मूल्य का 3 प्रतिशत, 3000 किलोग्राम से अधिक किन्तु 7500 किलोग्राम से अनधिक सकल यान भार के वाहन (मिनी ट्रक आदि यान के मूल्य का 6 प्रतिशत, पहले से रजिस्ट्रीकृत वाहनों पर एक बारीय कर की गणना के लिए पूर्व अवधि के प्रत्येक वर्ष के लिए एकबारीय कर की धनराशि में आठ प्रतिशत की छूट देकर गणना की जायेगी, परन्तु यह छूट पचहत्तर प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 फरवरी 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

यूजीसी विवाद और विभाजन रेखा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बनाए गए भेदभाव रोधी नियमों ने चिंता और बहस उत्पन्न की, जिसके चलते सर्वोच्च न्यायालय ने उनके क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। 2047 तक विकसित भारत बनने का संकल्प लेने वाले राष्ट्र के लिए यह स्थिति स्वस्थ नहीं कि उसके किसी नियमों से सामान्य और एससी—एसटी एवं ओबीसी वर्ग के छात्रों के बीच किसी तरह का विभाजन दिखे। छात्र देश की वास्तविक शक्ति हैं और आने वाले वर्षों में राष्ट्र की प्रगति के ध्वजवाहक बनेंगे।

समाज को विभाजित करने का कोई भी प्रयास राष्ट्रहित के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यह समय उस 'जाति—प्रेत' पर विचार करने का है, जिसने सदियों से सामाजिक सद्भाव को प्रभावित किया है। विभाजनकारी प्रवृत्तियां न केवल सामाजिक समरसता को कमजोर करती हैं, बल्कि युवाओं के प्रतिभा—विकास और सार्थक राष्ट्र—निर्माण में उनकी भूमिका को भी बाधित करती हैं। आज आवश्यकता है कि हम संवाद, समझ और एकता के माध्यम से ऐसे अवरोधों को दूर करें, ताकि युवा वर्ग अपनी ऊर्जा और क्षमता राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में समर्पित कर सके।

वस्तुतः 'कास्ट' या 'जाति' शब्द जिस अर्थ में आज प्रचलित है, वह सनातन धर्म की मूल अवधारणाओं का अंग नहीं है। जैसे 'रिलीजन' भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की व्यापकता को पूर्णतः व्यक्त नहीं करता, वैसे ही 'कास्ट' शब्द भी भारतीय सामाजिक संरचना की वास्तविकता को ठीक से नहीं दर्शाता। 'कास्ट' शब्द पुर्तगाली भाषा के कास्टा से आया है, जिसका अर्थ है वंश या जन्म से निर्धारित समूह। औपनिवेशिक शासकों ने भारतीय समाज की बहुआयामी और लचीली व्यवस्था को समझने के बजाय उसे एक कठोर, जन्म—आधारित ढांचे में बांधने का प्रयास किया, जबकि भारतीय परंपरा में वर्णों का निर्धारण जन्म से नहीं, बल्कि गुण, स्वभाव और कर्म के आधार पर समझा गया।

हमारे प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद में एक रूपक प्रस्तुत किया गया, जिसे प्रायः औपनिवेशिक व्याख्याओं में पदानुक्रम (ऊंच—नीच) के रूप में चित्रित किया गया, किंतु विज्ञानसम्मत दृष्टि से यह समाज को एक सजीव, कार्यात्मक और परस्पर—निर्भर शरीर के रूप में प्रस्तुत करता है, जहां प्रत्येक अंग की अपनी विशिष्ट भूमिका है और सभी मिलकर समग्र व्यवस्था को संतुलित एवं सशक्त बनाते हैं। प्रतीकात्मक रूप से प्रत्येक व्यक्ति चार वर्णों का समन्वित स्वरूप है। मस्तिष्क या मन ब्राह्मण का प्रतीक है, जो ज्ञान, चिंतन एवं मार्गदर्शन का प्रतिनिधित्व करता है।

भुजाएं क्षत्रिय का प्रतीक हैं, जो शक्ति, साहस और कर्तव्यपरायणता का द्योतक हैं। उदर और जंघाएं वैश्य का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो उत्पादन, पोषण और आर्थिक गतिविधियों को गति देती हैं। चरण शूद्र का प्रतीक हैं, जो श्रम, सेवा और आधार प्रदान करते हुए संपूर्ण सामाजिक संरचना को स्थिरता देते हैं। यह रूपक समाज को संगठित और सहयोगात्मक इकाई के रूप में प्रस्तुत करता है, जहां सभी मिलकर समग्र संतुलन और समृद्धि का निर्माण करते हैं।

आज हम जिन समस्याओं, विशेषकर जाति और सामाजिक विखंडन का सामना कर रहे हैं, उन्हें प्राचीन भारत की स्वाभाविक देन मानना उचित नहीं। वे दीर्घकालिक ऐतिहासिक आघातों और औपनिवेशिक हस्तक्षेपों से उत्पन्न जटिलताओं का भी प्रतिफल हैं। अतः यह आवश्यक है कि इतिहास को बहुआयामी दृष्टि और संतुलित दृष्टिकोण से समझा जाए, ताकि वर्तमान चुनौतियों की जड़ों को पहचानकर अधिक समरस और सुदृढ़ समाज का निर्माण किया जा सके।

महाभारत के शांति पर्व में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वर्ण का आधार केवल जन्म नहीं, बल्कि गुण (स्वभाव, क्षमता, कौशल, आचरण) और कर्म (कर्तव्य, दायित्व, कार्य) है। भारतीय दर्शन में चार वर्ण—ब्राह्मण (ज्ञान), क्षत्रिय (रक्षा), वैश्य (व्यापार) और शूद्र (उत्पादन एवं सेवा)—समाज के परस्पर पूरक अंग माने गए। प्राचीन काल में आक्रांताओं ने भारत पर हमला किया। उन्होंने अपनी भयावह और क्रूर करतूतों को अपनी विजय के रूप में दर्ज किया, पर सनातन संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी थीं कि उसके बीच ऐसे नायक उत्पन्न हुए, जिन्होंने आक्रांताओं को चुनौती दी, उन्हें परास्त किया और उनकी चालों को विफल किया।

फिर ईस्ट इंडिया कंपनी ने चालाकी और बल का इस्तेमाल कर भारत पर कब्जा किया और हमें ब्रिटिश उपनिवेश बना दिया। जहां इस्लामी आक्रमणकारी भारत की उत्पादन क्षमता और मानव संसाधन पर नियंत्रण पाने के लिए आए थे, वहीं उपनिवेशवादी हर स्तर पर स्थानीय लोगों को अपने वफादार सेवक के रूप में ढालना चाहते थे। उपनिवेशवादियों को विशाल जनसंख्या की आवश्यकता थी ताकि वे अपनी जरूरतों के अनुसार संसाधनों का शोषण कर सकें। उनके सामने विविध प्रकार के लोगों में ऐसे लोगों को चुनने की चुनौती थी, जो शिक्षा, प्रशासन से लेकर किसान, कारीगर, बढ़ई, लोहार आदि की विभिन्न गतिविधियों और संसाधनों को संभालने में सक्षम हों।

इसके लिए विभिन्न व्यावसायिक वर्गों का दस्तावेजीकरण और सूचीकरण हुआ। इस उपनिवेशवादी रणनीति ने न केवल जनता की उद्यमशीलता की भावना को कमजोर किया, बल्कि लोगों को उपनिवेशी शासन के वफादार बनने पर मजबूर किया। इसी ढांचे से अनुसूचित जातियां, अनुसूचित जनजातियां जैसे पदनाम उभरे, जिन्हें बाद में वोट—बैंक की राजनीति ने और अधिक विभाजित कर दिया, जैसे अन्य पिछड़ा वर्ग या फिर दलित और महादलित।

समय के साथ हमारी आर्थिक जीवंतता, धार्मिक शासन और सांस्कृतिक समरसता की नींव कमजोर होती गई। आज के युवाओं के लिए समय आ गया है कि वे जाति, पंथ के उपनिवेशी विरासत के बंधनों को तोड़ें और एकजुट होकर उस मातृभूमि के गौरवशाली उत्तराधिकारी के रूप में खड़े हों, जिसने कभी भारत भूमि को दुनिया की सबसे समृद्ध और मूल्य—प्रधान समाजों में से एक बनाया। युवाओं को ज्ञान की खोज, क्षमता निर्माण और कौशल संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, बजाय इसके कि वे एक—दूसरे को जातिगत सीमाओं की संकीर्ण दृष्टि से देखें।

बंगाल का भविष्यः धर्म की लहर या प्रगति की राह?

—ललित गर्ग—

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं—चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द—गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है।

बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग—संघर्ष, वाम वैचारिकी और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द—गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी—तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रूवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रूवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान—केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है—बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं भ्रष्टाचार जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है—70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा—बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने 'जय श्रीराम' के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने 'जय मां दुर्गा' और 'चंडी पाठ' के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं—"बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है"—यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रूवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकती है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं—जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5—10 प्रतिशत भी इधर—उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था—जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है—धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैंय भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप—प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म—आधारित ध्रूवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन—क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल "कौन किसका प्रतिनिधि है" तक सीमित रह गया, तो "कौन क्या करेगा" का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा।

बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है—रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने—बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास—प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रूवीकरण हैय ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय—संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगाय प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा?

क्या धर्म के आधार पर लड़ा गया चुनाव सार्थक मूल्य स्थापित कर पाएगा? या यह राज्य को और अधिक वैचारिक खाइयों में धकेल देगा? बंगाल की धरती ने अनेक बार भारत को नई वैचारिक दिशा दी है। आज फिर अवसर है—या तो वह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है। यदि नहीं, तो धर्म की ध्वजा चाहे जितनी ऊंची फहराई जाए, विकास का शून्य अंततः सबको दिखाई देगा।

मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

— डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा—

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिंव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंड़ी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के ही बच्चे या युवा आ रहे हो ऐसा है नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है।

हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क स संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल ऑनलाइन गेम खेल मनोस्थिति को इस कदर प्रीभावित कर देते हैं कि उठते बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं।

दरअसल देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2002 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरु हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चें ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चौलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि आदि गेमों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिंव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। मजे की बात यह है कि 10—12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इन गेमों के चक्कर में अधिक आ रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है कि इसी तरह से यह चलता रहा तो 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी की 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं। दरअसल समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना—देना नहीं होता। हांलाकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फोरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने ही होंगे।—

माता—पिता की देखभाल हेतु तय हो जवाबदेही

—डा. जगदीप सिंह —

विदेशों में बसी संतानों द्वारा भारत में रह रहे मां—बाप की उपेक्षा व अनदेखी का मामला संसद में उठना केवल कानूनी सवाल ही नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक मुद्दा भी है। कानून द्वारा प्रवासी बच्चों के माता—पिता का जीवन सुरक्षित करना वक्त की जरूरत है।

भारतीय समाज में परिवार की संरचना और मूल्यों का आधार माता—पिता की सेवा और सम्मान रहा है, लेकिन आधुनिक समय में बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों के कारण लाखों युवा विदेशों में बस रहे हैं। यह प्रवास अक्सर परिवारों के लिए आर्थिक उन्नति लाता तो है, लेकिन कई मामलों में बुजुर्ग माता—पिता भारत में अकेले पड़ जाते हैं। उनकी देखभाल, भावनात्मक समर्थन और नियमित संपर्क की कमी से बुजुर्गों की मानसिक और शारीरिक स्थिति दयनीय हो जाती है।

हाल ही में राज्यसभा में भाजपा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने विदेश जाने वाले युवाओं द्वारा माता—पिता की देखभाल सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि विदेश जाने से पहले बच्चों से एक हलफनामा लिया जाए, जिसमें वे अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा माता—पिता की देखभाल के लिए देने का वादा करें। इसके साथ ही, हर छह महीने में माता—पिता से 'संतुष्टि प्रमाण पत्र' प्राप्त करना अनिवार्य हो। ऐसा प्रमाण पत्र न मिलने या शिकायत आने पर बच्चों का पासपोर्ट रद्द किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम सप्ताह में एक बार फोन पर माता—पिता का हालचाल पूछना भी बाध्यकारी होना चाहिए। इस संदर्भ में पिछले वर्ष 500 से अधिक ऐसे मामले सामने आए, जहां विदेश में बसे बच्चों की उपेक्षा के कारण माता—पिता की हालत बहुत खराब हो गई या उनकी मृत्यु हो गई। विडंबना है कि बच्चे अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं लौटे।

यह मुद्दा केवल भावनात्मक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और कानूनी दृष्टि से भी गंभीर है। भारत में पहले से ही 'माता—पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण—पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007' लागू है, जो बच्चों को माता—पिता की आर्थिक और भावनात्मक देखभाल के लिए जिम्मेदार बनाता है। इस कानून के तहत बुजुर्ग ट्रिब्यूनल में शिकायत कर सकते हैं और बच्चों से मासिक भरण—पोषण प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें संपत्ति हस्तांतरण रद्द करने की शक्ति भी शामिल है।

हालांकि, यह कानून विदेश में बसे बच्चों (एनआरआई) पर प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाता, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार, प्रवर्तन की कमी और संपर्क की दूरी जैसी समस्याएं आड़े आती हैं। कई एनआरआई बच्चे भारत में संपत्ति या बैंक खाते रखते हैं, लेकिन देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। सांसद का प्रस्ताव इसी कमी को दूर करने का प्रयास है। यदि पासपोर्ट आवेदन या वीजा प्रक्रिया में माता—पिता की सहमति अनिवार्य हो सकती है, तो यह उनके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

इस तरह के कानून की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि भारत में बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है। प्रवास के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक समर्थन की कमी होती है। कई मामलों में माता—पिता ने बच्चों को विदेश भेजने के लिए अपनी जमीन—जायदाद बेच दी, कर्ज लिया या अपनी सारी बचत लगा दी, लेकिन बदले में उन्हें अकेलापन और उपेक्षा मिली।भारतीय संस्कृति में 'मातृ—पितृ भक्ति' को सर्वोच्च माना जाता है, लेकिन आर्थिक महत्वाकांक्षा और पश्चिमी जीवनशैली के प्रभाव से यह मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं। यह मुद्दा सांस्कृतिक संकट पर भी ध्यान आकर्षित करता है। निरूसंदेह, सफलता के पीछे माता—पिता का बहुत बड़ा त्याग होता है।

हालांकि, इस प्रस्ताव पर बहस भी छिड़ी हुई है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, क्योंकि यह बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा करेगा और बच्चों में जिम्मेदारी की भावना जाग्रत करेगा। दूसरी ओर, आलोचक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अतिक्रमण बताते हैं। वे कहते हैं कि पासपोर्ट रद्द करना या प्रमाण पत्र की बाध्यता जैसे कदम बहुत कठोर हैं, जो प्रवास की स्वतंत्रता को प्रभावित करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों में पासपोर्ट रद्द करने के लिए केवल गंभीर अपराध या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार होते हैं, न कि पारिवारिक मामले। एनआरआई समुदाय का एक हिस्सा इसे भेदभावपूर्ण मानता है, क्योंकि भारत में रहने वाले बच्चे जो माता—पिता की उपेक्षा करते हैं, उनके खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं होती। क्या केवल विदेश जाने वालों पर ही यह नियम लागू होगा?

इसके बावजूद, प्रस्ताव की व्यावहारिकता पर विचार करना जरूरी है। यदि सरकार इसे लागू करना चाहती है, तो विदेश मंत्रालय को एनआरआई से जुड़े डेटाबेस को मजबूत करना होगा, भारतीय दूतावासों के माध्यम से प्रमाण पत्र सत्यापन की व्यवस्था करनी होगी और शिकायतों के लिए एक तंत्र बनाना होगा। यह प्रक्रिया जटिल हो सकती है, लेकिन डिजिटल इंडिया और आधार जैसी सुविधाओं से इसे संभव बनाया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर, माता—पिता एक ऑनलाइन पोर्टल पर प्रमाण पत्र अपलोड कर सकते हैं या दूतावास में जमा कर सकते हैं। यदि प्रमाण पत्र नहीं मिलता, तो पासपोर्ट नवीनीकरण रुक सकता है या यात्रा प्रतिबंध लग सकता है। यह कदम बच्चों को नियमित संपर्क बनाए रखने के लिए बाध्य करेगा।

सरकार के ट्रेड डील से किसानों को नुकसान, बिना टैरिफ वाले सामानों पर किसानों को होगी समस्या –राकेश टिकैत

संवाददाता–बहराइच। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत बुधवार को गल्लामंडी महापंचायत के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि टैरिफ कम करवाने के लिए सरकार ने अमेरिका से डील किया है। इससे किसानों को नुकसान होगा। अमेरिका की शर्तों पर किसानों को उनकी उपज बेचनी पड़ेगी। बिना टैरिफ वाले सामानों पर किसानों को समस्या होगी। महापंचायत में दोपहर एक बजे किसान नेता के पहुंचने पर पदाधिकारियों ने स्वागत किया। उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि सरकार हिंदू मुस्लिम करने में लगी हुई है। इससे देश काफी पीछे जा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पहले टैरिफ बढ़ाया। इसके बाद अपनी शर्तों पर इसे कम किया। अब अमेरिकी बाजार के हिसाब से किसानों को अपनी उपज बिक्री करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका से बिना टैरिफ के आने वाले सामानों पर किसानों को अधिक खर्च करना पड़ेगा। इसके अलावा उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी एकता बनाएं रखें। आपस में विवाद न करें। सरकार ने यूजीसी लाकर मतभेद कर दिया है। उन्होंने सरकार से जनसंख्या नियंत्रण कानून पारित करने की मांग की। किसानों से कहा कि अपने बच्चों को शिक्षा जरूर दें। इस दौरान यूनियन जिलाध्यक्ष रामकुमार वर्मा, पूर्व सपा विधायक मुकेश श्रीवास्तव, श्रावस्ती जिलाध्यक्ष अजीत चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष मलकीत सिंह चीमा, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

ईंट से लदी ट्रैक्टर ट्राली से रौंदकर बालक की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना भिनगा मार्ग पर अंधरपुरवा गांव के पास बुधवार शाम को ईंट लादकर जा रही ट्रैक्टर ट्राली ने बालक को रौंद दिया। इससे घटनास्थल पर ही बालक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इकौना थाना क्षेत्र के अंधर पुरवा गांव निवासी ओम प्रकाश का छह वर्षीय पुत्र सचिन घर के सामने ही सड़क पार कर रहा था। इस दौरान इसी थाना क्षेत्र के भगवानपुर बनकट निवासी चालक विजय कुमार पुत्र मुन्नूलाल मोहनीपुर से ईंटभट्ठे से ट्रैक्टर ट्राली में ईंट भरकर मटखनवा गांव में ईंट गिराने जा रहा था। मौके पर पहुंचते ही सड़क पार कर रहा बालक सचिन चपेट में आ गया और ट्रैक्टर ट्राली ने उसे रौंद दिया। इससे बालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा देखते ही मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। लोगों ने चालक को पकड़ लिया और पुलिस को हादसे की सूचना दी।

सूचना पर इकौना थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। लोगों ने चालक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। वहीं पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस चालक को हिरासत में लेकर थाने चली आई।

बोर्ड परीक्षा शुरू, पहले दिन 1879 परीक्षार्थी अनुपस्थितः 41 केंद्रों पर परीक्षा मे 23 हजार से ज्यादा छात्र होने थे शामिल

संवाददाता–श्रावस्ती। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा–2026 कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 18 फरवरी से शुरू हो गई। जिले के 41 परीक्षा केंद्रों पर कुल 23,275 परीक्षार्थियों को शामिल होना था, जिनमें से हाई स्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षा से 1,879 अनुपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार सिंह के अनुसार, प्रथम पाली में हाईस्कूल हिंदी की परीक्षा में 12,210 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 1,197 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट हिंदी की परीक्षा में 8,595 परीक्षार्थी शामिल हुए और 682 अनुपस्थित पाए गए। दरअसल परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। 5 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 41 स्टेटिक मजिस्ट्रेट और सभी उपजिलाधिकारी जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात हैं। केंद्रों के 100 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू है और संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय खुद परीक्षा के दौरान भ्रमण कर जायजा लेते रहे, इस दौरान उन्होंने हरिहरपुरारानी स्थित जनता इंटर कॉलेज, पटना खरगौरा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों और सीसीटीवी व्यवस्था का भी जायजा लिया। इसके अतिरिक्त, डीएम ने राजकीय जिला पुस्तकालय में बनाए गए कंट्रोल रूम से सभी 41 केंद्रों की ऑनलाइन निगरानी की समीक्षा भी की, जहाँ सभी कैमरे सक्रिय पाए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नकल या किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आईजी जोन गोरखपुर ने की जिले की अपराध समीक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। आईजी जोन गोरखपुर बुधवार को जिला मुख्यालय भिनगा पहुंचे। उन्होंने पुलिस कार्यालय में अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही पुलिस कार्यालय व नवीन मॉडल थाने का निरीक्षण किया। भिनगा पहुंचे आईजी जोन गोरखपुर मुथा अशोक जैन का एसपी राहुल भाटी ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान उन्हें सम्मान गार्द ने सलामी दी। इसके बाद उन्होंने पुलिस कार्यालय का निरीक्षण किया। साथ ही समागार में एसपी की उपस्थिति में राजपत्रित अधिकारियों व सभी थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। जिले में घटित प्रमुख अपराधों, उनके अनावरण, लंबित विवेचनाओं, अभियोजन की प्रगति तथा अपराध नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की।

गो तस्करी, गोवध, महिला संबंधी अपराधों में समय से कार्यवाही, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी व आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण व आगामी त्यौहारों होली, रमजान तथा चैत्र नवरात्रि के दृष्टिगत शांति व कानून–व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती का निरीक्षण किया। यहां अभिलेखों का रखरखाव, थाना परिसर, सीसीटीएनएस कार्यालय, मिशन शक्ति केन्द्र, बंदीगृह, शस्त्रागार, मालखाना, आरक्षी बैरक व भोजनालय का जायजा लिया। इस दौरान एएसपी मुकेश चन्द्र उत्तम, सीओ भिनगा सतीश कुमार शर्मा, सीओ इकौना भरत पासवान आदि मौजूद रहे।

यूपी पंचायत चुनाव से पहले 76 ग्राम पंचायतों में करोड़ों का खेल

संवाददाता–गोण्डा। पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां चल रही हैं। चुनाव की तैयारियों के बीच यूपी के गोंडा जिले की 76 ग्राम पंचायतों में करोड़ों का खेल सामने आया है। इन 76 ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2019–20 के विकास कार्यों की लेखा परीक्षा के दौरान 12.15 करोड़ रुपये की धनराशि पर अनियमितता और अभिलेखों की कमी सामने आई है। विभागीय जानकारी के मुताबिक इन ग्राम पंचायतों में ऑडिट जांच में पाया गया कि कई ग्राम पंचायतों ने विकास कार्यों के नाम पर खर्च की गई रकम का पूरा ब्योरा प्रस्तुत नहीं किया।

इस पर संबंधित तत्कालीन ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों पर ऐक्शन हुआ है। इन प्रधानों और सचिवों को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण और आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, गोंडा के परसपुर ब्लॉक की परसपुर ग्राम पंचायत में सर्वाधिक 75.85 लाख रुपये के खर्च का विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया। उस समय यहां ग्राम प्रधान बिंदु पाण्डेय और सचिव सत्येन्द्र कुमार सिंह थे। वहीं, खरगूपुर ग्राम पंचायत में 49.27 लाख रुपये, कटरा ब्लॉक की सेलहरी में 51.95 लाख रुपये के अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए। इसके अलावा परसपुर ब्लॉक के मरचौर में 32.82 लाख रुपये, डेहरास में 31.79 लाख रुपये, बालपुर हजारी में 28.94 लाख रुपये और सुसुंडा में 27.53 लाख रुपये की धनराशि पर आपत्ति दर्ज की गई है। निंदुरा में 25.18 लाख रुपये, सकरौर में 24.38 लाख रुपये , असरना में 23.83 लाख रुपये और रोवारी में 21.54 लाख रुपये के खर्च का भी पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया।

रामगढ़ 20.67 लाख रुपये, परसा गोड़री 19.59 लाख रुपये , गोनवा 18.88 लाख रुपये , राजापुर 18.59 लाख रुपये , डोमाकल्पी 14.20 लाख रुपये , लोहंगपुर 12.98 लाख रुपये और सालपुर धौतल 12.61 लाख रुपये सहित कई पंचायतों को नोटिस भेजा गया है। दर्जनों अन्य पंचायतों में भी 10 लाख रुपये से अधिक के खर्च पर ऑडिट टीम ने आपत्ति दर्ज की है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कई स्थानों पर भुगतान प्रक्रिया में वित्तीय नियमों का पालन नहीं किया गया और अभिलेख अधूरे पाए गए।

डीपीआरओ लालजी दूबे ने बताया कि जिले में 76 ग्राम पंचायतों ने विकास कार्यों पर खर्च के सापेक्ष अब तक ऑडिट टीम को पूरा ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है। सभी को 15 दिन का समय दिया गया है। समय सीमा में अभिलेख प्रस्तुत नहीं करने पर संबंधित प्रधान और सचिव से पूरी धनराशि की वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप की ठोकर से बाइक सवार दो बोर्ड परीक्षार्थी समेत तीन घायल

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार की सुबह बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे बाइक सवार दो परीक्षार्थी समेत तीन लोग पिकअप की ठोकर से घायल हो गए। तीनों घायलों को इलाज के लिए देवरिया मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां स्थिति गंभीर देख उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया गया। दोनों परीक्षार्थी रुद्रपुर के पिपरा कछार स्थित एक इंटर कॉलेज में परीक्षा देने जा रहे थे। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के अहलादपुर मरकड़ी निवासी दिग्विजय गौंड (18)पुत्र प्रमोद एवं दीपक (18) पुत्र रामाश्रय रुद्रपुर के दुग्धेश्वर नाथ इंटरमीडिएट कॉलेज के दसवीं के छात्र हैं। दोनों छात्रों का रुद्रपुर के पिपरा कछार स्थित जनता इंटर कॉलेज में सेंटर पड़ा है। बुधवार को हिंदी विषय का पेपर देने दिग्विजय के भाई विशाल गौंड के साथ बाइक से दोनों परीक्षार्थी पिपरा कछार स्थित परीक्षा केंद्र पर जा रहे थे। अभी यह तीनों रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर के समीप पहुंचे थे कि सामने से आ रही एक पिकअप से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे में तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए, स्थानीय लोगों ने तीनों को आनन फानन में इलाज के लिए रुद्रपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां तीनों की स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। देवरिया मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने स्थिति को देखते हुए तीनों को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

अयोध्या में गुरुवार से 'ग्रंथ राज ज्ञानेश्वरी' कथा व अखंड हरिनाम महोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। तीर्थक्षेत्र पुरम में गुरुवार से 'ग्रंथ राज श्री ज्ञानेश्वरी' कथा का भव्य सामुदायिक पारायण एवं अखंड हरिनाम महोत्सव प्रारंभ होगा। महाराष्ट्र के तुंगेश्वर पर्वत से पधारे बाल योगी संत श्री सदानंद महाराज भक्तों को ज्ञानेश्वरी का रसपान कराते हुए अज्ञान से ज्ञान की ओर अग्रसर होने का संदेश देंगे। हजारों श्रद्धालु सामूहिक पारायण में सहभागी बनेंगे।महोत्सव का उद्घाटन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय करेंगे। आयोजन में महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश सरकार की कई विशिष्ट विभूतियों की उपस्थिति अपेक्षित है। महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं और आगमन का क्रम निरंतर जारी है।बुधवार सायं महाराष्ट्र से पहुंचीं ट्रस्टी डॉ. ज्योति दीपक ठाकरे ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर पत्रकारों को बताया कि श्रद्धालुओं के आवास, भोजन और विश्राम की समुचित व्यवस्था ट्रस्ट, बाल योगी श्री सदानंद महाराज ज्ञानेश्वरी पारायण महोत्सव समिति, अखिल वारकरी समाज महाराष्ट्र तथा परशुराम कुंड तुंगेश्वर पर्वत के संयुक्त तत्वावधान में की गई है। स्थानीय स्तर पर संत–महात्माओं के साथ महाविद्यालय प्रबंधक राम मूर्ति तिवारी, गायत्री तिवारी और महेंद्र राम मूर्ति तिवारी का विशेष सहयोग मिल रहा है।कथा क्रम में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन प्रसंगों का वर्णन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज करेंगे। शांति ब्रह्म श्री संत एकनाथ महाराज कृत 'भावार्थ रामायण' का वाचन श्री योगी महाराज गोसिवी द्वारा होगा, जबकि 'ग्रंथ राज ज्ञानेश्वरी' और अखंड हरिनाम संकीर्तन का रसपान स्वयं बाल योगी संत श्री सदानंद महाराज कराएंगे।महोत्सव के दौरान योगी आदित्यनाथ तथा देवेंद्र फडणवीस सहित अनेक गणमान्य जनों की उपस्थिति की संभावना है। वार्ता के समय अध्यक्ष गुरुनाथ भुर्रे, सचिव भास्कर भुर्रे और ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी केदारनाथ महतो भी मौजूद रहे।

डीएम ने उप निबंधक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया, पारदर्शिता और डिजिटलीकरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए

संवाददाता–बलरामपुर। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने उप निबंधक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व एवं पंजीकरण कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता और जनहित सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि संपत्ति पंजीकरण से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं नियमसम्मत, पारदर्शी और ऑनलाइन प्रणाली के तहत ही पूरी की जानी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कार्यालय में रखे रजिस्टरों और अन्य अभिलेखों का गहन परीक्षण किया। उन्होंने उनके अद्यतन रखरखाव पर विशेष जोर दिया। स्टाम्प शुल्क और ई–फीस व्यवस्था की समीक्षा करते हुए, डीएम ने निर्देश दिए कि सभी पंजीकरण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न हों, जिससे आमजन को कोई असुविधा न हो। भूमि बैनामा प्रक्रिया का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि संपत्ति पंजीकरण में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पंजीकरण से संबंधित प्रत्येक चरण में ऑनलाइन सिस्टम का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। किसी भी शिकायत पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान, डीएम ने सभी सरकारी भूमि की गाटा संख्या को पोर्टल पर शत–प्रतिशत फीड करने के विशेष निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीनों का डिजिटलीकरण और रिकॉर्ड का नियमित अद्यतन अवैध कब्जों पर प्रभावी रोक लगाएगा और प्रशासनिक कार्रवाई को सशक्त बनाएगा।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को चेतावनी दी कि जनसामान्य के कार्यों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यालय में स्वच्छता, अनुशासन और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं होगा। शासन की मंशा के अनुरूप ई–गवर्नेंस और डिजिटल प्रक्रियाओं को प्राथमिकता देते हुए सेवाओं को सरल, तेज और भरोसेमंद बनाने के निर्देश भी दिए गए। इस निरीक्षण के दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व सहित संबंधित विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

देवतहा बाली लूट में मिले अहम सुराग खुलासे के करीब पहुंची पुलिस

संवाददाता–कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र में चार दिन पूर्व दिनदहाड़े असलहा दिखा कर ज्वेलरी कारोबारी से नगदी व आभूषण आदि की लूट के खुलासा के करीब कुशीनगर पुलिस पहुंच गई। घटना के बाद से एडिशनल एसपी के नेतृत्व में पांच टीमें लगातार खुलासे के लिए प्रयासरत हैं। एएसपी स्वयं क्राँति चौराहे पर डेरा जमा कर जांच कर रही है। पुलिस को दो सौ से अधिक सीसी टीवी कैमरों को खंगालने तथा कुछ को हिरासत में लेकर सख्ती पूछताछ में ल्यू हासिल हुआ है। कुशीनगर के साथ महराजगंज व गोरखपुर की पुलिस भी खुलासे में सहयोगी बन रही है। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के देवतहा बाली चौराहे के समीप से पिछले शनिवार को बदमाशों ने आभूषण व्यापारी सेमरा निवासी भीम वर्मा से आभूषण भरे बैग व 20 हजार रुपये असलहे दम पर लूट लिया था।

फरार हो गए थे। भीम वर्मा शाम पांच के बाद प्रतिदिन की तरह देवतहा बाजार स्थित अपनी आभूषण दुकान को बंद करके सेमरा घर जा रहे थे। बाजार से सहबजवा के रास्ते जाते समय गांव के बाहर एक बगीचे के समीप तीन की संख्या में पहले से मौजूद कार सवार बदमाशों ने भीम को असलहा दिखाकर रोका था। मौके पर असलहे से गिरा कारतूस भरा मैगजीन भी बरामद हुआ था। पुलिस ने ज्वेलरी कारोबारी की तहरीर पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना के बाद से ही एएसपी सिद्धार्थ वर्मा क्राँति चौराहा स्थित पुलिस चौकी पर डेरा जमाए हुए हैं। पुलिस की पांच टीमें लगातार क्षेत्र में तलाशी व सीसीटीवी फुटेज खंगाले में जुटी हुई है। पुलिस अब तक दो सौ से अधिक सीसी टीवी कैमरों को खंगाल चुकी है। लुटेरों की लोकेशन घटना स्थल से 35 किमी दूर तक पता चला। घटना के दिन सहबजवा, बरगदही, सेमरा, रायपुर बंजरिया के कुछ लोगों ने बताया कि उस दिन शाम को बहुत ही तेज रफ्तार में एक हल्का निजी कलर की कार भागते हुए कोटवा–घुघली मार्ग की ओर जा रही थी। खड्डा परिक्षेत्र के सीईओ वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि जांच टीम हर संभव प्रयास में जुटी है। तीन की संख्या में बदमाशों ने स्वर्ण व्यापारी को असलहा लगा कर घटना को अंजाम दिया था। एएसपी ने कहा कि पुलिस टीमें लूट के खुलासे के करीब हैं। कुछ महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। शीघ्र ही मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

अयोध्या में सपा संगठन के पुनर्गठन की कवायद तेज

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। समाजवादी पार्टी की अयोध्या महानगर और जिला इकाई को अखिलेश यादव के निर्देश पर भंग किए जाने के बाद से संगठन नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर गंभीर मंथन में जुटा है। कई महीनों से जारी प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) सामाजिक समीकरण को केंद्र में रखते हुए नेतृत्व एक ऐसे चेहरे की तलाश में है, जो मजबूत, सर्वमान्य और संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने में सक्षम हो।पार्टी की प्राथमिकता स्पष्ट है&2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में अयोध्या जिले की सभी पांचों सीटों पर जीत सुनिश्चित करना। इसके लिए स्थानीय वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया जा रहा है, जबकि प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व जातीय संतुलन, संगठनात्मक अनुभव और जमीनी पकड़ जैसे पहलुओं का गहन मूल्यांकन कर रहा है। संकेत मिल रहे हैं कि इस बार कमान ऐसे नेता को सौंपी जाएगी, जो कार्यकर्ताओं को एकजुट रखते हुए मजबूत सांगठनिक ढांचा खड़ा कर सके।

सूत्रों के अनुसार, जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में नन्हकन यादव का नाम प्रमुखता से उभर रहा है। लगभग तीन दशक से सक्रिय राजनीति में जुड़े नन्हकन यादव का पारिवारिक राजनीतिक आधार भी मजबूत रहा है। उनके पिता तिहुरा मांझा ग्राम सभा के प्रधान रह चुके हैं। स्नातक शिक्षित नन्हकन यादव 2012 से 2017 तक जिला कार्यकारिणी सदस्य रहे और बाद में जिला सचिव की जिम्मेदारी भी संभाली। वर्ष 2015 और 2021 में उन्होंने जिला पंचायत सदस्य का चुनाव भी लड़ा।विभिन्न चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के समर्थन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अयोध्या सीट पर कड़ी टक्कर मिली थी। समर्थकों का कहना है कि नन्हकन यादव की संघर्षशील कार्यशैली और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद उनकी बड़ी ताकत है।

इसी क्रम में संजय यादव का नाम भी चर्चा में है। छात्र राजनीति से आगे बढ़े संजय यादव साकेत महाविद्यालय में छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके हैं। जिला पंचायत सदस्य के रूप में उनका अनुभव और युवाओं में उनकी पकड़ संगठन के लिए उपयोगी मानी जा रही है।पीडीए रणनीति के तहत अधिवक्ता कृष्ण कुमार पटेल भी संभावित दावेदारों में शामिल हैं। लंबे समय से पार्टी से जुड़े कृष्ण कुमार पटेल संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और विभिन्न चुनावों में प्रत्याशियों के साथ अहम भूमिका निभा चुके हैं। उनका सामाजिक और शैक्षिक जुड़ाव उन्हें संतुलित विकल्प के रूप में स्थापित करता है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अयोध्या जिले की पांचों विधानसभा सीटों पर सफलता के लिए संगठन को ऐसा जिलाध्यक्ष चाहिए, जो सामाजिक समीकरण साधने के साथ–साथ बूथ स्तर तक मजबूत नेटवर्क खड़ा कर सके। प्रदेश नेतृत्व की सहमति के बाद नए जिलाध्यक्ष की घोषणा जल्द होने की संभावना है। फिलहाल संगठन में मंथन और समीकरणों का दौर जारी है।

फॉर्म–7 को लेकर बूथ पर हंगामा

संवाददाता–देवरिया। गौरी बाजार विकासखंड अंतर्गत पथरपट गांव में बुधवार को एक मतदान बूथ पर फॉर्म–7 भरने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि भाजपा से जुड़े पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र राय और कृष्ण मोहन राय कुछ मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) के पास पहुंचे थे। इसी दौरान गांव के कुछ युवकों को इसकी जानकारी मिली और वे मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बीएलओ द्वारा सूचना दिए जाने के बाद ग्रामीण युवकों ने बूथ पर पहुंचकर नेताओं से फॉर्म छीन लिए। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

बताया जा रहा है कि भाजपा नेताओं ने युवकों के हाथ से अपने दस्तावेज वापस लेने का प्रयास किया, लेकिन युवकों ने फॉर्म लौटाने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जिन मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया चल रही थी, वे गांव के स्थायी निवासी हैं और उन्हें मतदान के अधिकार से वंचित करने की कोशिश की जा रही थी। माहौल गरमाता देख भाजपा नेता अपनी कार में सवार होकर वहां से चले गए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बीएलओ पर दबाव बनाकर फॉर्म की रिसीविंग लेने की कोशिश की जा रही थी। कुछ लोगों ने इसे मताधिकार से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए संविधान की अवहेलना तक की बात कही। वहीं, स्थानीय प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि मामले की जानकारी ली जा रही है। यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, इस विवाद को लेकर गांव में चर्चा का माहौल बना हुआ है और दोनों पक्ष अपने–अपने दावे कर रहे हैं।

अनियंत्रित ट्रक ने 5 वाहनों को रौंदा, अस्पताल की दीवार तोड़ी, बच्ची समेत तीन गंभीर घायल

संवाददाता–कुशीनगर। जिले में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। अहिरौली थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 28 पर बड़ा पुल के पास एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक 5 वाहनों को रौंदते हुए सड़क किनारे स्थित आदर्श चिकित्सालय की दीवार तोड़कर परिसर में घुस गया।

जानकारी के अनुसार, ट्रक हाटा से गोरखपुर की ओर जा रहा था। अचानक चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक ने सड़क पर चल रहे और खड़े वाहनों को रौंदते हुए आदर्श अस्पताल की दीवार से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि अस्पताल की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में घायल हुए लोगों में ऑटो चालक, एक बाइक सवार और एक छोटी बच्ची शामिल हैं। उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुकरौली में इलाज के लिए भेजा गया है। सभी घायलों की

स्थिति स्थिर बताई जा रही है। आदर्श अस्पताल के संचालक ने बताया कि यह हादसा ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुआ है। उन्होंने आशंका जताई कि चालक संभवतः नशे में था और इसी वजह से वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका। स्थानीय लोगों ने भी चालक के नशे में होने या नींद में होने की बात कही है।

सूचना मिलने पर अहीरोली पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की पुष्टि के लिए ट्रक चालक से पूछताछ कर रही है। इस हादसे ने नेशनल हाईवे 28 पर यातायात सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों के प्रति सतर्कता बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

जब तक बस्ती वशिष्ठ नगर नहीं हो जाएगा तब तक मैं आराम से नहीं बैठूंगा –जगद्गुरु रामभद्राचार्य

बढ़नी मिश्र में जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज के श्री मुख से वशिष्ठ रामायण कथा शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज के श्री मुख से वशिष्ठ रामायण कथा का शुभारम्भ बुधवार को पादुका पूजन के साथ आरम्भ हुआ। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरू वशिष्ठ को वैदिक काल के सबसे बड़े ऋषि–पुरोहित बताते हुये उनके तप, त्याग, सिद्धि और क्षमा की महिमा पर प्रकाश डालते हुये कहा कि आकाश में चमकते सात तारों के समूह में दाहिने से दूसरे वशिष्ठ का यश पत्नी अरुंधती सहित अनादिकाल से आज भी दमक रहा है। रामभद्राचार्य जी ने कहा कि बस्ती को वशिष्ठ नगर बनाने के लिए मैं मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री से बात करूंगा और जब तक बस्ती वशिष्ठ नगर नहीं हो जाएगा तब तक मैं आराम से नहीं बैठूंगा ।

कथा के पूर्व मुख्य यजमान चन्द्रभूषण मिश्रा, उषा मिश्र, रत्नेश मिश्र ने विधि विधान से पादुका पूजन किया । आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह और कमेटी के सदस्यों ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु वशिष्ठ की महिमा का वर्णन करते हुये रामभद्राचार्य जी महाराज ने कहा कि इनके गुरुकुल में ही राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न की प्रारंभिक शिक्षा हुई थी। राम द्वारा शिव–धनुषभंग के बाद दशरथ ने इनकी आज्ञा पाकर ही सकुटुम्ब मिथिला के लिए प्रस्थान किया था। रामकथा के अंत में इन्हीं के परामर्श पर राम ने अश्वमेध यज्ञ किया था।

कथा के प्रथम दिन प्रमुख रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष नगर श्रीमती नीलम सिंह 'राना' सतीश मिश्रा, संतोष मिश्रा, आलोक मिश्रा, विकास मिश्रा, संजय मिश्रा, विशाल यादव, सच्चिदानंद मिश्रा, नीतीश पाण्डेय, अवधेश मिश्रा के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

94 केंद्रों पर यूपी बोर्ड एग्जाम, छात्रा बोली– काफी आसान पेपर था

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के 94 परीक्षा केंद्रों पर 18 फरवरी से यूपी बोर्ड की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। पहले दिन प्रथम पाली में 1783 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इनमें 609 बालिकाएं और 1174 छात्र हैं। पेपर खत्म होने के बाद एक छात्रा ने बताया कि पेपर काफी आसान आया था। यह परीक्षाएं 12 मार्च तक चलेंगी।

परीक्षा केंद्रों पर छात्रों को सघन चेकिंग के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी गई। सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रही। परीक्षार्थी सुबह 7 बजे से ही केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गए थे और उन्हें 8:30 बजे तक प्रवेश दिया गया।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षार्थियों को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाए कि उत्तर पुस्तिका में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री (जैसे नोट या पर्ची) रखना अनुशासनहीनता मानी जाएगी। यदि किसी परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका में ऐसी सामग्री मिलती है, तो संबंधित कक्ष निरीक्षक को भी जिम्मेदार माना जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक चलेगी। पहले दिन हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों की परीक्षा हिंदी विषय से शुरू हुई है। जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चंद्र ने बताया कि परीक्षा ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनुपस्थित रहने या लापरवाही करने पर विभागीय कार्रवाई, वेतन रोकने और निलंबन तक की कार्रवाई की जा सकती है। सभी केंद्रों पर कक्ष निरीक्षकों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केंद्र की निगरानी के लिए 10 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 3 जोनल मजिस्ट्रेट और 6 सचल दल गठित किए गए हैं। वही डीआईओस कार्यालय पर कंट्रोल रूम से निगरानी रखी जा रही है।

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। यह आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था। पुलिस को उसकी तलाश थी। थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम को आरोपी की लोकेशन के संबंध में सूचना मिली। इसके बाद टीम ने सक्रियता दिखाते हुए बुधवार दोपहर करीब 12:37 बजे ग्राम गनचौरा के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आशीष उर्फ राम आशीष (33 वर्ष) पुत्र पुजारी निवासी ग्राम मसीना, थाना शोहरतगढ़ के रूप में हुई है। वह वर्तमान में बाणगंगा क्षेत्र में रह रहा था। आरोपी के खिलाफ थाना शोहरतगढ़ में मुकदमा संख्या 166⁄26 विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज है। पुलिस के अनुसार, वह घटना के बाद से ही फरार था। थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार निगरानी कर रही थी। सूचना मिलने पर टीम ने त्वरित कार्रवाई कर उसे हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के दौरान सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव, कांस्टेबल प्रभाकर यादव और कांस्टेबल धर्मनाथ यादव शामिल थे। टीम की सतर्कता और सक्रियता के कारण वांछित आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली।

शाम को बहू से हुआ विवाद, सुबह बिस्तर पर पड़ी मिली सास की लाश

संवाददाता–अयोध्या। बुधवार सुबह एक महिला की लाश बिस्तर पर पड़ी मिली। पति की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मंगलवार शाम सास–बहू के बीच विवाद होने की बात सामने आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना खंडासा थाना क्षेत्र के धरौली गांव की है। पति सोमई ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी गंगादेई (55) सुबह बिस्तर पर मृत मिली हैं। मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराना जरूरी है। उनको एक बेटी है, जिसका विवाह हो चुका है। उन्होंने अपने भतीजे गुलशन को गोद लिया है। एक वर्ष पूर्व उसका विवाह हुआ था। लेकिन, सास–बहू में अनबन रहती थी। ग्रामीणों में चर्चा है कि कई दिनों से बहू और सास में विवाद चल रहा था। मंगलवार शाम भी विवाद हुआ था। बहू के मायके के लोग भी विवाद सुलझाने आए थे। रात में सोमई खेत की रखवाली करने चले गए थे। गुलशन एक निमंत्रण में गया था। सास–बहू ही घर पर थीं।

सुबह बेटा लौटा तो देर तक दरवाजा नहीं खुला। इस पर वह घर के पीछे लगी तिरपाल फाड़कर अंदर गया। वहां देखा कि बिस्तर पर गंगादेई मृत पड़ी हैं। प्रभारी थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बैनामा की भूमि की बजाय दूसरे जगह कब्जा करा रहे प्रापर्टी डीलर

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के मगहर के चकरिया ताल में उपजा भूमि विवाद कम नहीं हो रहा है। बैनामा कहीं और का कब्जा कहीं का आरोप लगाकर काश्तकार ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया था। जिनके निर्देश पर राजस्व टीम ने पैमाईश कर निशानदेही की। इस पैमाईश के बाद कब्जेदारों में खलबली मच गई। मगहर के शेरपुर चकरिया निवासी एहसानउल्लाह, इरशाद अहमद, निसार अहमद पुत्रगण स्व. शमशुद्धीन ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया था। जिसमें लिखा था कि प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा भोली भाली जनता को गुमराह करके गाटा संख्या 726 में जमीन का बैनामा करवाया गया है। जिन्हें वहां कब्जा न देकर गाटा संख्या 735 में दिया जा रहा है। जो बाद में विवाद का कारण बन सकता है। यह मामला प्रकाश में आने के बाद राजस्व विभाग व आरबीओ के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया था। जिन्होंने निर्माण कार्य करा रहे लोगों को कार्य रोकने का मौखिक निर्देश दिया था। लेकिन प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा अपनी दबगई के बल पर जबरिया प्राथींगण की जमीन पर निर्माण कार्य करा कब्जा करवाया जा रहा है। जिलाधिकारी के निर्देश पर हल्का लेखपाल अमित सिंह व राजेश कुमार ने पहुंचकर गाटा संख्या 735 की पैमाईश की। आरोप की सत्यता से रूबरू हुए। लेखपाल अमित सिंह ने बताया जिलाधिकारी के आदेश पर शिकायतकर्ता काश्तकार द्वारा बतायी गई भूमि की पैमाईश की गई है। जिन्होंने बैनामा कराया गया है, उनके बैनामा पेपर को मांग गया है। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए काश्तकारों व बैनामादारों से अपील की गई है। पैमाईश में खुली बैनामे की पोल मगहर। राजस्व टीम की पैमाईश के बाद जो लोग अब तक गाटा नम्बरों से अनजान व अपरिचित थे, भूमि की हकीकत से लोग रूबरू हो गए। जब राजस्व विभाग की टीम ने पैमाईश व चिन्हित किया तो उनकी आंखें खुल गई। उन्हें गहरा आघात लगा है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती

वाद सं0– 1282⁄2022

तिलकराम

बनाम

श्रीमती निरासपती आदि

1. श्रीमती निरासपती पत्नी राममिलन साकिन करौता उर्फ करनपुर तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 2. प्रहलाद पुत्र रामउग्रह साकिन करौता उर्फ करनपुर तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 09 माह 02 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती

वाद सं0– 429⁄2023

सना खातून

बनाम

शमीम अहमद आदि

1. शमीम अहमद उम्र लगभग 61 साल 2. नसीम अहमद उम्र लगभग 56 साल 3. नईम अहमद उम्र लगभग 51 साल पुत्रगण मो0 सिद्दीक निवासीगण ग्राम नटाई कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 07–03–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

एसपी ने अपराध गोष्ठी में की कानून–व्यवस्था समीक्षा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कानून–व्यवस्था सुदृढ़ करने और अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से बुधवार शाम पुलिस लाइन सभागार में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने इसकी अध्यक्षता की। इस दौरान जिले के सभी क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष और विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

गोष्ठी की शुरुआत सैनिक सम्मेलन से हुई, जिसमें पुलिस कर्मियों की समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई।इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने आगामी होली और रमजान ईद–उल–फितर को देखते हुए सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने–अपने क्षेत्रों में नियमित पैदल गश्त बढ़ाई जाए। साथ ही, संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

"ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की भी समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सभी कैमरों को सक्रिय रखने और आवश्यकतानुसार नए स्थानों पर भी कैमरे स्थापित करने के निर्देश दिए।साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

अधिकारियों को आमजन को साइबर ठगी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए निर्देशित किया गया।गोष्ठी में महिला उत्पीड़न, संपत्ति से जुड़े अपराध, गुमशुदा और लापता बच्चों की बरामदगी तथा लंबित विवेचनाओं की स्थिति की भी समीक्षा हुई। पुलिस अधीक्षक ने सभी लंबित मामलों का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ गुण्डा अधिनियम और गैंगेस्टर अधिनियम के तहत निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। आईजीआरएस और सीसीटीएनएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसका उद्देश्य आम जनता का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखना है।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारीगण, अग्निशमन अधिकारी, अभियोजन अधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना अदालत–श्रीमान जे0एम0⁄ एच0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 349⁄2025

थाना–कोतवाली

जिला–बस्ती

श्रीमती निशा दूबे आदि

बनाम

प्रेमनाथ दूबे आदि

1. प्रेमनाथ दूबे (पति) 2. बैजनाथ दूबे उर्फ करन दूबे 3. शेष नरायन दूबे पुत्रगण अयोध्या प्रसाद साकिनान रखौना पोस्ट निरंजनपुर थाना लालगंज जिला–बस्ती 4. सास 5. अंकिता दूबे पत्नि शेष नरायन दूबे 6. शशि दूबे पत्नी बैजनाथ दूबे उर्फ करन दूबे साकिनान रखौना पोस्ट निरंजनपुर थाना लालगंज जिला–बस्ती

–विपक्षीगण

तारीख पेशी 25–02–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है⁄किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरुद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 25 मास 02 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह⁄अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूबी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0–346⁄2024

मूलवाद सं0–157⁄2007

भदई

बनाम

रामफेर (मृतक) आदि

1. रामफेर (मृतक) 1⁄1–सरोज उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी स्व0 रामफेर 1⁄2–सूरज उम्र लगभग 26 वर्ष 1⁄3–सुशील उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्रगण स्व0 रामफेर 2 सन्तोष कुमार (मृतक) 3. श्रीमती रामा देवी उम्र लगभग 64 वर्ष पत्नी रामकुबेर निवासीगण ग्राम–भटपुरवा, तप्पा–ऊँजी, परगना–नगर पश्चिम, तहसील हर्रैया, पोस्ट–चांदपुर, जिला–बस्ती 4. रामसुमेर (मृतक) 4⁄1–शिव पूजन उम्र लगभग 35 वर्ष 4⁄2–राजू उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्रगण स्व0 रामसुमेर निवासीगण ग्राम चांदपुर, तप्पा–ऊँजी, परगना–नगर पश्चिम, तहसील–हर्रैया, पोस्ट–चांदपुर, जिला–बस्ती।

(विपक्षीगण प्रथम वर्ग)

5. मनीराम (मृतक) 5⁄1–महेन्द्र उम्र लगभग 45 वर्ष 5⁄2–धर्मेन्द्र उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण स्व0 मनीराम निवासीगण ग्राम–बड़ेवन डमरूआ, तप्पा–हवेली, परगना–वस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती। 6. रामलौट उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र भीखा साकिन–निरंजनपुर, तप्पा–पिपरा गौतम परगना नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती

(विपक्षीगण द्वितीय वर्ग)

तारीख पेशी 23–02–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूबी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 02 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती

वाद सं0– 327⁄2022

रामनयन

बनाम

शकुन्तला आदि

1. शकुन्तला आयु लगभग 38 साल पत्नी दारा प्रसाद साकिन राजपुर बैरिहंवा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. चम्पा आयु लगभग 48 साल पत्नी हरि प्रसाद ग्राम बजहा हाल मुकाम गायघाट तप्पा चरकौला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

जलवायु परिवर्तन, सतत कृषि, भूमि पुर्नस्थापना पर हुई चर्चा

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर के तत्वाधान में प्राणी विज्ञान विभाग में चल रहे अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत बुधवार को जलवायु परिवर्तन, सतत कृषि, भूमि पुनर्स्थापना तथा कार्बन प्रबंधन जैसे विषय पर चर्चा की गई। डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने जलवायु परिवर्तन के बारे में अहम जानकारी दी। प्रथम सत्र में डॉ. हरि सिंह गौड़ यूनिवर्सिटी सागर मध्य प्रदेश के प्राणी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. श्वेता यादव ने जलवायु सहनशील कृषि विषय पर जानकारी दी। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के डॉ. कुलदीप बौद्ध ने फोटोरिमीडिएशनरू अवन्त भूमि पुनर्स्थापना की एक सतत रणनीति विषय पर व्याख्यान दिया। डीडीयू के वनस्पति विज्ञान के डॉ. रामवत गुप्ता ने ग्रीनहाउस गैसों को कम करने के लिए कार्बन फार्मिंग के माध्यम से कार्बन अवशोषण विषय पर व्याख्यान दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार ने किया।

मुनीब हत्याकांड में शामिल नौवां आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। सिकरीगंज क्षेत्र के हरिजनपुर में शादी समारोह के दौरान डीजे पर नाच–गाने को लेकर हुए विवाद में मुनीब चौहान (19) की पीटकर हत्या में शामिल नौवें आरोपी को बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान खजीन के ग्राम डोडो उर्फ डडवा निवासी आकाश निषाद के रूप में हुई है। एसपी साउथ दिनेश कुमार पुरी ने बताया कि हत्याकांड में अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि तीन अन्य की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। घटना 10 फरवरी की रात को हुई थी। सहजनवा क्षेत्र के चिरइयाडाड़ गांव निवासी मुनीब चौहान हरिजनपुर में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। रात करीब 10 बजे डीजे पर नाच–गाने के दौरान गांव के कुछ युवकों ने लाठी–डंडों से पीट–पीटकर मुनीब की हत्या कर दी थी।

परीक्षा से पहले 12वीं की छात्रा ने ट्रेन से कटकर दी जान

संवाददाता–अंबेडकरनगर। बुधवार की सुबह परीक्षा से पहले 12वीं की छात्रा ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घटना मालीपुर थाना क्षेत्र के मालीपुर–जाफरगंज टिकरी के पास की है। यहां सुबह इंटर की छात्रा मनीषा (17) ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया गया कि खजूरी गांव निवासी राजकुमार की पुत्री मनीषा राम अवतार इंटर कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। बुधवार को उसका बोर्ड परीक्षा का पहला पेपर था। सुबह करीब 9 बजे वह रेलवे ट्रैक पहुंची। यहां ट्रेन से कटकर जान दे दी। परिजनों ने बताया कि घर में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद मनीषा नाराज होकर घर से निकल गई थी। वह तीन बहनों में दूसरे नंबर पर थी। तीन बहनों में एक भाई है। घटना से परिवार में मातम का माहौल है। थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की जांच की जा रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-मझारी पश्चिम विकास खण्ड रामनगर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मझारी पश्चिम विकास खण्ड रामनगर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में बहुउद्देश्यीय पंचायत भवन का निर्माण किया जाना है। निर्माण हेतु सामग्री की आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता फर्मों से सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है। ग्राम पंचायत मझारी पश्चिम का जीएसटी रजिस्ट्रेशन है। टेण्डर 24 फरवरी 2026 को ग्राम पंचायत मझारी में दिन में 11 बजे नियमानुसार खोला जायेगा।

अतः संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से आपूर्ति की दर जीएसटी को जोड़कर प्रस्तुत करने का अनुरोध करती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता अपनी आपूर्ति सामग्री सरिया, सीमेन्ट, मांरंग, बालू, गिट्टी, ईटा, विद्युत से सम्बंधित सामान, वाटर सप्लाई आदि की दर व शर्तों के साथ आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। स्वीकृति के बाद समय से आपूर्ति सुनिश्चित करना होगा।

ग्राम प्रधान–इन्द्रावती
ग्राम पंचायत मझारी पश्चिम
विकास खण्ड रामनगर
बस्ती।

सचिव पप्पू यादव
ग्राम पंचायत मझारी पश्चिम
विकास खण्ड रामनगर
जनपद– बस्ती।

पत्रांक मेमो / वित्तीय वर्ष 2025–26

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com